तापमान
अधिकतम 42.0 डिग्री
न्यूनतम 28.0 डिग्री

हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, शनिवार 23 मई 2026

11 लोहरसी में नवीन बोर खनन

12 तेज धूप ने लोगों को घरों में किया कैद

राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर

दुकान किराए पर देना है
नवापारा बस स्टैंड में सुसज्जित 3 दुकान किराए पर देना है
बहुत शानदार लोकेशन
फॉल सिलिंग कैमरा और सभी सुविधा
मो.: 9516940882

खबर संक्षेप

कक्षा 6वीं प्रवेश के लिए परीक्षा 26 जुलाई को

गरियाबंद। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु दिनांक 26 जुलाई 2026 को प्रातः 12.00 बजे से 2.00 बजे तक लिखित परीक्षा आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। उक्त परीक्षा में कक्षा 5वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले ग्रामीण क्षेत्र के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थी सम्मिलित हो सकेंगे। परीक्षा में सम्मिलित होने के इच्छुक छात्र-छात्राएं अपने क्षेत्र के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ पालकों की सहमति, आयकर दाता न होने का प्रमाण पत्र, संस्था से ग्रामीण अंचल में अध्ययनरत होने संबंधी प्रमाण, जाति प्रमाण पत्र तथा अंकसूची में प्राप्तांक संबंधी जानकारी संलग्न करना अनिवार्य होगा।

नशामुक्ति पुनर्वास केन्द्र में हो रहा 1 माह का निःशुल्क उपचार

गरियाबंद। जिले में संचालित एकीकृत नशामुक्ति पुनर्वास केन्द्र में नशे से पीड़ति व्यक्तियों के लिए 01 माह का निःशुल्क पुनर्वास एवं उपचार कराया जा रहा है। यह केन्द्र डाकबंगला वार्ड क्रमांक 08, जनपद पंचायत गरियाबंद के पीछे पिछले 02 वर्षों से संचालित है। केन्द्र संचालक के अनुसार अब तक जिले के कुल 273 हितग्राहियों को नशामुक्ति हेतु 01 माह का पुनर्वास एवं उपचार उपलब्ध कराया जा चुका है, जिससे उन्हें लाभ मिला है तथा वे नशामुक्त हो चुके हैं। यह केन्द्र छत्तीसगढ़ शासन समाज कल्याण विभाग से मान्यता एवं अनुदान प्राप्त है। केन्द्र में निःशुल्क योग, भोजन, आवासीय सुविधा, काउंसिलिंग एवं मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। जिले के लोगों से अपील की गई है कि नशे से प्रभावित व्यक्तियों को नशामुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र गरियाबंद में भर्ती कराकर पुनर्वास का लाभ दिलायें।

छुरा में ओबीसी समाज की संगठनात्मक बैठक 24 को

गरियाबंद। ओबीसी संयोजन समिति द्वारा प्रदेशभर में कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के तहत समाज को संगठित और सशक्त बनाने के उद्देश्य से लगातार संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गरियाबंद जिले की महत्वपूर्ण ▶▶| शेष पेज 10 पर

40 हजार लीटर की टंकी के लिए बोर खनन, अब पानी के लिए नहीं तरसेंगे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

हरिभूमि में 26 अप्रैल को प्रमुखता के साथ छपी खबर 40 हजार लीटर की टंकी बनी सो पीस, गर्मी में बुंद-बुंद को तरस रहे ग्रामीण। इस खबर का असर यह हुआ कि 21 मई को पांडुका में बोर खनन हुआ जिसमें पर्याप्त मात्रा में पानी मिला है। पानी मिलने से सबसे कम उम्र की सरपंच कुमारी भानु ध्रुव ने कहा कि अब ग्रामीणों को पानी के लिए नहीं तरसना पड़ेगा, टंकी फुल भरेगा। हरिभूमि को पत्र लिखकर उन्होने कृतज्ञता ज्ञापित किया है। बता दें कि गरियाबंद जिले का यह बड़ा गांव पांडुका में जल स्तर बहुत तेजी के साथ नीचे चला जा रहा है। गांव की आबादी 2650 है। सरपंच भानु ध्रुव ने 25 अप्रैल को फोन पर इस संवाददाता से चर्चा करते हुए बताया था कि नल जल मिशन योजना के अंतर्गत नई टंकी बनने के बाद व नई पाईपलाईन का विस्तार शुरू होने पर उम्मीद जगी थी कि घर-घर पानी पहुंचेगा। लोगों को हैंडपंप और अन्य स्त्रोतों पर निर्भर नही रहना पड़ेगा, मगर नल जल मिशन योजना के ठेकेदार ने इस महत्वपूर्ण काम को अधूरा छोड़ दिया। हालात ये है कि लोगों को पर्याप्त पानी तो दूर इस 40 हजार लीटर क्षमता वाले नई टंकी से बूंद भर पानी तक नहीं मिल पा रहा है। उन्होने बताया कि नल जल मिशन योजना के ठेकेदार ने काम तो लिया मगर निम्न स्तर का काम यहां किया। ठेकेदार आधा-अधूरा काम करके भग गया था। जगह- ▶▶| शेष पेज 10 पर

पर्याप्त पानी मिलने से दूर होगी पेयजल किल्लत

पीएचई विभाग ले की शिकायत नगर अब तक कोई समाधान नहीं निकला

40 हजार लीटर की टंकी बनी शो-पीस गर्मी में बूंद-बूंद को तरस रहे ग्रामीण

खबर का असर

शिकायत के बाद भी विभाग मौन

सरपंच ने बताया था कि ठेकेदार को कई बार फोन लगाकर इस अधूरे काम को पूरा करने के लिए आग्रह की हूं परंतु ठेकेदार का जवाब रहता है आऊंगा तो देख लूंगा। मगर अभी तक न वो आए और न ही देखे। सरपंच ने बताया कि इस बड़ी समस्या को लेकर वे लिखित शिकायत पीएचई विभाग राजिम में की है मगर अब तक विभाग का भी कोई अधिकारी यहां झांकने नही पहुंचा और न ही कोई जानकारी यहां से ली गई। अब इस टंकी का उपयोग बहुत जल्द करेंगे।

सौंदर्यीकरण के लिए 1 करोड़ स्वीकृत पर अतिक्रमण हटाने और ठोस कार्रवाई के अभाव में योजना अब तक अधूरी

अतिक्रमण की चपेट में तालाब, 16 हजार की आबादी निस्तारी संकट से जूझ रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

जिला मुख्यालय गरियाबंद के नगर पालिका क्षेत्र में करीब 16 हजार की आबादी के लिए निस्तारी का प्रमुख सहारा रहे तालाब आज अतिक्रमण और प्रशासनिक उदासीनता के कारण अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं। शासन के रिकॉर्ड में छिंद तालाब, देवरनीन (देवानिन) तालाब और नया तालाब जैसे प्रमुख जलस्रोत दर्ज हैं लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इन तालाबों का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है और आम लोगों को निस्तारी के लिए भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। नगर के बीच स्थित छिंद तालाब वर्षों से धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। नवरात्रि में ज्योत-जवारा विसर्जन से लेकर अन्य धार्मिक अनुष्ठान इसी तालाब में संपन्न होते हैं। नगर पालिका द्वारा इसके सौंदर्यीकरण की पहल की जा रही है लेकिन अतिक्रमण हटाने और ठोस कार्रवाई के अभाव में योजना अब तक अधूरी है। सबसे गंभीर स्थिति देवरनीन तालाब की है, जो शासन के रिकॉर्ड में करीब ▶▶| शेष पेज 10 पर

अतिक्रमण हटाने की तैयारी पूरी

इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव ने बताया कि तालाब किनारे हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर पालिका ने पूरी तैयारी कर ली है। अतिक्रमण कर निवास कर रहे लोगों से बातचीत की गई है और सभी की सहमति भी बन गई है। उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवारों के विस्थापन की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए नगर की घास भूमि को आबादी भूमि घोषित करने की प्रक्रिया चल रही है ताकि प्रभावित लोगों को वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराकर तालाबों को अतिक्रमण मुक्त किया जा सके।

शासन के निर्देश फिर भी कार्रवाई नहीं

नगरीय प्रशासन विभाग ने एनजीटी प्रकरण क.ओ.ए. 78/2024 (**Cz**), जगदीश प्रसाद देवगन बनाम छत्तीसगढ़ शासन एवं अन्य के तहत निकाय क्षेत्रों के जल निकायों और जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। विभाग ने गरियाबंद सहित छुरा, राजिम, कोपरा और फिंगेश्वर के नगरीय निकायों में तालाब किनारे हुए अतिक्रमण पर कार्रवाई करने कहा है, लेकिन गरियाबंद में अब तक इसका असर दिखाई नहीं दे रहा। जिला मुख्यालय में ही तालाबों की यह दुर्दशा प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल खड़े करती है। जहां एक ओर जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण की बातें होती हैं, वहीं दूसरी ओर शहर के प्रमुख जलस्रोत धीरे-धीरे खत्म होते जा रहे हैं। अब नगरवासियों की मांग है कि प्रशासन तत्काल अतिक्रमण हटाकर तालाबों का संरक्षण और पुनर्जीवन सुनिश्चित करे, ताकि निस्तारी की पुरानी व्यवस्था फिर बहाल हो सके।

10 वर्षीय बच्चे पर तेंदुए ने किया हमला, भर्ती

गरियाबंद। जिले में एक बार फिर तेंदुए की दहशत सामने आई है। कोदोबात्तर के चट्टानपारा में 10 वर्षीय बच्चे पर तेंदुए ने अचानक हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल बच्चे को प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार धनेश कुमार कमार (10 वर्ष), पिता पुनूराम कमार मंगलवार शाम करीब 7 बजे पड़ोस के घर से टीवी देखकर अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान घात लगाए बैठे तेंदुए ने अचानक उस पर झपट्टा मार दिया। तेंदुए ने बच्चे के गले को अपने जबड़ों में दबोच लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर माता-पिता तुरंत मौके पर पहुंचे। शुरुआत में उन्हें लगा कि कोई कुत्ता बच्चे पर हमला कर रहा है, लेकिन पास पहुंचने पर पता चला कि वह तेंदुआ है। साहस दिखाते हुए माता-पिता ने तेंदुए से भिड़कर किसी तरह बच्चे को उसके चंगुल से छुड़ाया। शोरगुल सुनकर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद तेंदुआ ▶▶| शेष पेज 10 पर

गायत्री शक्तिपीठ नवापारा में 5 दिवसीय व्यक्तित्व निर्माण शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

गायत्री शक्तिपीठ नवापारा में 5 दिवसीय आवासीय व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ समाज को नशे जैसी बुराइयों से मुक्त करना है। शिविर के दौरान युवाओं को भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की शिक्षा देने के साथ 'नशा मुक्ति अभियान रैली' निकाली जाती है,जो जन-जागरूकता का एक प्रमुख हिस्सा है।

शिविर के अंतर्गत नशा मुक्ति अभियान रैली की मुख्य विशेषताएं उद्देश्य युवाओं को नशे के घातक परिणामों (स्वास्थ्य, आर्थिक तबाही, और सामाजिक पतन) से परिचित कराना और नशामुक्त समाज का निर्माण करना है। नारे और संदेश रैली के दौरान युवा 'शराब छोड़ो-जीवन संवारो' और 'जीवन कीमती है, नशा नहीं' जैसे नारों वाली तख्तियां व बैनर लेकर चलते रहे!इसका मुख्य संदेश यह होता है कि नशे की लत न सिर्फ एक व्यक्ति, बल्कि पूरे परिवार को बर्बाद कर देती है। कई स्थानों पर रैली के दौरान व्यसन से होने वाले शारीरिक और मानसिक नुकसान को दशार्ती हुई झांकियां भी शामिल की गई नवापारा नगरवासियो का सहयोग नशा मुक्ति अभियान रैली जब नगर में भ्रमण के लिए निकली तो नवापारा नगरवासियो ने शिवरार्थियों बच्चों के लिए जगह- जगह पर पानी या खाद्य सामग्री जूस, जैसे आदि सभी चीजो की व्यवस्था किए। शपथ ग्रहण रैली के समापन पर सभी शिविरार्थियों और स्थानीय नागरिकों को नशा न करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की संकल्प दिलाई गई। तत्पश्चात भोजन करने के बाद मनोरंजन करके कार्यक्रम का समापन किया गया।

थमा मौत के हाइवा का पहिया, पूरे दिन शहर के भीतर नहीं घुसा एक भी वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

शुक्रवार को हरिभूमि में प्रकाशित खबर शहर के बीच से मौत बनकर गुजर रहे रेत से भरे हाइवा नागरिको में फुटा आक्रोश के बाद पूरा दिन भर एक भी हा इ वा शहर के भीतर से नहीं गुजरी। शहर के कुछेक समाजसेवियों ने हरिभूमि को फोन पर बताया कि रेत भरी ढेर सारी हाइवा बेलाहीघाट पुल के उस पार नवागांव के पास खड़ी है। इस सूचना पर हरिभूमि की टीम जब नवागांव पहुंची तो सचमुच में रेत से भरी हाइवा खड़ी हुई थी परंतु उसके ड्राइवर गाड़ी से नदारद थे। आसपास के लोगों से पुछने पर बताया कि न जाने किस कारण से रेत भरी हाइवा यहां पर खड़ी हो गई है यह समझ में नहीं आया। जबकि रोड में कभी भी ये गाड़ियां खड़ी होती दिखाई नहीं देती। अलबत्ता नवागांव की ओर से सुबह करीब 11 बजे के आसपास पुलिस की एक गाड़ी को आते हुए उधर से जरूर देखा गया। शहर के भीतर रेत भरी हाइवा के नहीं गुजरने से ▶▶| शेष पेज 10 पर

- रेत भरकर आने वाली हाइवा नवागांव के पास खड़ी रही

खबर का असर

पालिका के सामने कांग्रेस ने दिया धरना

जायज मांगें पूरी नहीं हुईं तो होगा बड़ा आंदोलन : धनेंद्र साहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

शुक्रवार को नगर पालिका कार्यालय के सामने कांग्रेसजनो ने धरना प्रदर्शन दिया। यह धरना प्रदर्शन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नवापारा के नेतृत्व में आयोजित किया गया था जिसमें पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामा यादव, जिला उपाध्यक्ष धनराज मध्यानी, नेता प्रतिपक्ष संध्या राव, पार्षद दीपाली राजपूत, चतुर जगत, हेमंत साहनी ने भी मंच को सम्बोधित किया। इस अवसर पर धनेन्द्र साहू ने कहा कि आज हम यहां किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह धरना प्रदर्शन आम नागरिकों की आवाज है, उन गरीब, मजदूर, किसान, बुजुर्ग और जरूरतमंद लोगों की आवाज है जिन्हें आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। हमारी माँगें बिल्कुल जायज हैं लंबित पेंशन का स्थायी निराकरण हो, हर वार्ड में पर्याप्त पेयजल व्यवस्था हो, सफाई व्यवस्था सुधारी जाए, और आबादी भूमि क्षेत्र के गरीब परिवारों को आवास योजना का लाभ मिले। श्री साहू ने कहा कि जब जनता बार-बार अपनी समस्याएँ बता रही है, तब प्रशासन का कर्तव्य बनता है कि वह तुरंत समाधान करे। लेकिन दुर्भाग्य है कि जनता को अपनी आवाज उठाने के लिए सड़क पर उतरना पड़ रहा है। मैं प्रशासन से कहना चाहता हूं कि जनता की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए। यह आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि जनता के हक और सम्मान के लिए है। यदि हमारी माँगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो यह आंदोलन और भी बड़ा रूप लेगा। श्री साहू ने कहा कि संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं जाता। आपकी एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हम सब मिलकर जनता के ▶▶| शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

अज्ञात व्यक्ति का किया गया अंतिम संस्कार

महासमुंद। मुक्तिधाम सेवा समिति द्वारा अज्ञात व्यक्ति का अंतिम संस्कार किया गया। मृत व्यक्ति सिरगड़ी ग्राम में मिला था। उसे ग्रामीणों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसकी मृत्यु 20 मई हो गई। मृत व्यक्ति की उम्र 65 वर्ष की रही होगी। उनके कोई परिजन न होने के कारण मुक्तिधाम सेवा समिति के सदस्यों को अंतिम संस्कार के लिए सौंपा गया। अंतिम संस्कार के दौरान समिति के सदस्य राजू चंद्राकर, डॉ जितेंद्र शुक्ला, ओम प्रकाश औसर, फगुआ पटेल, संजय साहू, डॉ एजाज नकवी, सुरेश साहू, मनोज पटेल, गुमान जैन आदि मौजूद रहे।

खरोरा में दुर्गा चालीसा का हुआ आयोजन

महासमुंद। ग्राम खरोरा के शीतला मंदिर और वार्ड नंबर दो में दुर्गा चालीसा का पाठ कर महाआरती की गई। इस दौरान प्रमुख रंजीत चंद्राकर ने कहा कि भगवती मानव कल्याण संगठन' द्वारा इस तरह के कई जगह में महाआरती का आयोजन किए जा रहे हैं। जहां लोग सामूहिक रूप से नशा न करने का संकल्प ले रहे हैं।

अग्नि सुरक्षा की दी जानकारी

महासमुंद। कौशल विकास केंद्र में 20 मई को सेंटर इंचार्ज संजीव के मार्गदर्शन एवं सहयोग में फायर सेफ्टी प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र आकाश एवं मधु द्वारा संचालित किया गया, जिन्होंने अग्नि सुरक्षा से संबंधित सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक जानकारी प्रदान की। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को आग के विभिन्न प्रकार, बचाव के उपाय, आपातकालीन स्थिति में प्रतिक्रिया तथा अग्निशामक यंत्रों के सही उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही प्रशिक्षुओं एवं स्टाफ सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ एक प्रायोगिक प्रदर्शन भी आयोजित किया गया। समग्र रूप से यह सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी रहा, जिसने अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन तैयारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दो फीट नीचे नल कनेक्शन, फिर भी घरों में नहीं पहुंच रहा पानी

महासमुंद। शहर के सभी वार्डों में पेयजल संकट चरम सीमा पर है। तीन समय पानी केवल सपना बनकर रहा गया है। शहर के नागरिकों का कहना है कि दो समय ही नलों से पानी सप्लाई करें, लेकिन सही ढंग से पानी सप्लाई हो। उक्त बातें नपा उपाध्यक्ष देवीचंद राठी ने कही। उन्होंने कहा कि नयापारा वार्ड क्र. 5 बादल गली में पाइप लाइन से पानी ही आ रहा है। शहर का सबसे गरीब मजदूर वार्ड है, जहां लोग अपने झोपड़ी में जमीन के दो फीट नीचे गड्ढा कर नल कनेक्शन लिए है, उसके बाद भी पानी नहीं पहुंच पा रहा है। उपाध्यक्ष राठी ने नयापारा के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि इस वर्ष की इस भीषण गर्मी में पानी की बर्बादी न करे। टैंकर से पानी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

बिरकोनी औद्योगिक क्षेत्र में विद्युत सब स्टेशन स्थापना की मांग तेज

महासमुंद। बिरकोनी इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन द्वारा औद्योगिक क्षेत्र बिरकोनी में विद्युत सब स्टेशन स्थापना की मांग को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम पुनः ज्ञापन सौंपा गया है। एसोसिएशन ने कहा कि बिरकोनी औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना लगभग 17 वर्ष पूर्व हो चुकी है, लेकिन आज तक विद्युत सब स्टेशन की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाई है, जिससे उद्योगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

निधन

देवनाथ साहू

कोपरा। परिक्षेत्र साहू समाज पाण्डुका के कोषाध्यक्ष टोमन साहू के पिता देवनाथ साहू का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार ग्राम कुरूद स्थित मुक्तिधाम में किया गया। जिसमें गांव के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

सुशासन तिहार : प्रशासन जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का कर रहा समाधान

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में मिले 490 आवेदन, अधिकांश का मौके पर निपटारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत प्रदेशभर में आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसमस्या निवारण शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में देवभोग विकासखंड के ग्राम चिचिया स्थित शासकीय हाई स्कूल प्रांगण में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजन किया गया। जिसमें 17 गांवों के ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। इस दौरान शिविर में 490 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों की समस्याएं, शिकायतें और मांगें ध्यानपूर्वक सुनी गईं। प्रत्येक विभागीय टीम ने मौके पर ही प्राप्त अधिकांश आवेदनों का परीक्षण कर त्वरित निराकरण का प्रयास किया। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की प्रमुख योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए ग्रामीणजनों को इनका अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की। शिविर में जिला पंचायत गरियाबंद अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप, पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव गोवर्धन मांझी, जनपद पंचायत अध्यक्ष पदमलया निधि, जनपद उपाध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, जनपद सदस्य गजेन्द्र सोम, शंकर नागेश, सुशीला पाथर, जगमोहन पटेल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य धनमती यादव, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

सोसायटियों में खाद वितरण शुरू, अफवाहों पर न दें ध्यान- जिला पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप ने कहा कि यह प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच है कि शासन एवं प्रशासन स्वयं आम जनता तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों एवं युद्ध जैसे हालातों के बावजूद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आम जनता को पेट्रोल एवं डीजल जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में खाद्य तेल एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों को भंडारित कर कृत्रिम रूप से कीमतें बढ़ाई जाती थीं, लेकिन वर्तमान में ऐसी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है तथा अवैध भंडारण करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। समस्त सहकारी समितियों में खाद का भण्डारण किया जा चुका है। किसानों को खाद की किसी प्रकार की कमी नहीं होगी। नियमानुसार खाद का वितरण किया जाएगा। समितियों में खाद वितरण प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने अफवाहों से दूर रहने की अपील की है।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत सामग्री एवं सेवाएं प्रदान की गईं। समाज कल्याण विभाग द्वारा सहायक उपकरण वितरण योजना के तहत चिचिया निवासी प्रभुलाल मांदर, बरबहली निवासी पानो बाई गोविंद को ट्राईसाइकिल वितरित की गई। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एक शिशु का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया तथा दो महिलाओं की गोदभराई की गई। शिविर में विभागीय स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

तेज धूप के बीच जारी है धान कटाई...

मैनपुर। मैनपुर नगर सहित क्षेत्र में इन दिनों धान कटाई कार्य युद्धगति से चल रहा है। बढ़ते तापमान और बढ़ते तेज धूप के बीच मजदूर धान कटाई करते दिखाई दे रहे हैं।

रोजगार मांगने वाले नहीं, देने वाले बनें : पटेल

सभी समाजों को जातिगत भावना से ऊपर उठकर एकजुट होने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर।

छत्तीसगढ़ प्रदेश सर्व समाज संगठन का छठवां स्थापना दिवस समारोह संपन्न हुआ। प्रदेश भर के विभिन्न जिलों एवं समाजों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेघनाथ यादव, विशिष्ट अतिथि महासंघ प्रदेश अध्यक्ष शेखर वर्मा सहित संभाग व जिला स्तर के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर शेखर वर्मा, मेघनाथ यादव एवं ईश्वर पटेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ियों को व्यापार एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष रूप से आगे आना होगा। आर्थिक सशक्तिकरण से ही परिवार, समाज और पूरे छत्तीसगढिय़ा समाज को मजबूती मिलेगी। सभी समाजों को जातिगत भावना से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करना होगा। समाज को जागरूक होकर संगठन शक्ति को मजबूत करना जरूरी है। संगठित समाज ही अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है। युवाओं से रोजगार मांगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनने का आह्वान किया। जब तक समाज आर्थिक रूप से मजबूत नहीं होगा, तब तक परिवार एवं समाज को भी मजबूती नहीं मिल पाएगी।

आर्थिक सशक्तिकरण से ही छत्तीसगढ़िया समाज को मिलेगी मजबूती- छत्तीसगढ़ियों को व्यापार और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढऩा होगा। संगठन के पदाधिकारियों ने सामाजिक समरसता, संगठन विस्तार, स्वरोजगार और छत्तीसगढ़िया अधिकारों को लेकर अपने विचार रखे। इस मौके पर रायपुर संभाग अध्यक्ष ईश्वर पटेल की अनुशंसा पर संगठन विस्तार करते नई नियुक्तियां भी की गई। इस दौरान प्रदेश संयोजक ब्रम्ह देव पटेल, उपाध्यक्ष संत कुमार केसकर, महामंत्री लखन लाल साहू, कोषाध्यक्ष जीवन सिन्हा, उपाध्यक्ष घनश्याम देवांगन, ईश्वर पटेल,अनुरूप साहू, आनंद राम सिन्हा, भोजराम डडसेना, गेंदलाल वर्मा, आनंद यादव, बेनी राम बघेल, सचिव अशोक साहू, कला एवं साहित्य प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार पटेल, मीडिया प्रभारी डॉ. डी पी देशमुख, भानू प्रताप साहू, नेतराम यादव, भागवत सोनी, सुमन देवांगन, मुकुंद ताम्रकार, प्रेमलाल सिन्हा, फतीश साहू, धर्मेंद्र पटेल, पूरन यादव, भरत देवांगन, पति राम पटेल, महेंद्र पटेल, पीतांबर पटेल, सोमनाथ पटेल, नारायण सोनी, शेखर साहू सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

आगजनी से किसान को भारी नुकसान ग्रामीणों की तत्परता से टला बड़ा हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुरसाबांधा

ग्राम पंचायत परतेवा में एक बड़ी आगजनी की घटना में किसान रोहित साहू (मंडल) को भारी नुकसान उठाना पड़ा। जानकारी के अनुसार किसान ने लगभग 2 एकड़ खेत का पैरा पराली इकट्ठा कर रखा था, जिसमें अचानक आग लग गई। तेज गर्मी और हवा के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और देखते ही देखते पूरा पैरा जलकर राख हो गया। बताया जा रहा है कि आग पहले एक निजी खेत में लगी, जिसके बाद तेज हवा के चलते दूसरे पैरावट तक पहुंच गई। आग की लपटें तेजी से बढ़ने लगीं, जिसे देखकर गांव के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों की समय रहते मदद मिलने से बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि यदि समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आग किसान के घर तक पहुंच सकती थी और स्थिति और भयावह हो सकती थी। इस आगजनी में पैरा के अलावा खेत में लगे तीन पेड़, सोलर पैनल से जुड़ी मशीन, मोटर पंप, केबल तार तथा पाइप कनेक्शन भी पूरी तरह जल गए। किसान रोहित साहू ने बताया कि उनका खेत घर से करीब 11 किलोमीटर दूर होने के कारण उन्हें घटना की जानकारी देर से मिली। किसान ने बताया कि बरसात के मौसम में गायों को खिलाने के लिए यह पैरा सुरक्षित रखा गया था। अब पैरा जल जाने से पशुओं के चारे की बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस प्रकार इंसानों के लिए भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार गायों के लिए पैरा जीवन का महत्वपूर्ण सहारा होता है। ग्रामीणों ने चिंता जताई कि इन दिनों खेतों में लगातार आग लगाए जाने के कारण पैरा की भारी कमी हो रही है। जो पैरा घरों और खेतों में सुरक्षित रखा जाता है, वह भी अब आगजनी की घटनाओं से सुरक्षित नहीं रह गया है। किसानों ने प्रशासन से आगजनी की घटनाओं पर रोक लगाने तथा प्रभावित किसान को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

कुणाल को मिली जिम्मेदारी, बने छग पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के महासमुंद ग्रामीण जिलाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस संगठन ने पिछड़ा वर्ग समाज को संगठन में मजबूत प्रतिनिधित्व देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए युवा कांग्रेस नेता कुणाल चंद्राकर को छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के महासमुंद ग्रामीण जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं, युवा नेताओं एवं ओबीसी वर्ग में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

यह नियुक्ति अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष केशव नायक चंद्राकर के निर्देशानुसार की गई। संगठन ने कुणाल चंद्राकर के सामाजिक सक्रियता, संगठनात्मक क्षमता एवं पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के पश्चात महासमुंद जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं विधायक द्वारिकाधीश यादव ने कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में कुणाल चंद्राकर को कांग्रेस का गमछा पहनाकर एवं मुंह मीठा कर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं के साथ उनका जोरदार स्वागत किया तथा संगठन की मजबूती को लेकर विश्वास जताया।

पेज 9 के शेष...

40 हजार लीटर...

जगह पाईप फूटा हुआ है, कई घरों तक कनेक्शन ही नहीं पहुंचा। कईयों जगह तो नल की टोंटी ही नहीं लगी। लंबे समय से नल-जल योजना के अधूरे पड़े कार्य से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अतिक्रमण की चपेट...

19 एकड़ में दर्ज है लेकिन अतिक्रमण के चलते इसका अस्तित्व लगभग समाप्त हो चुका है। कभी नगरवासियों के लिए प्रमुख निस्तारी स्थल रहा यह तालाब अब सूख चुका है। यहां किसी की मृत्यु के बाद होने वाले 'मौत मिट्टी' जैसे सामाजिक संस्कारों की परंपरा आज भी निभाई जाती है लेकिन लोगों को चुल्लू भर पानी भी नसीब नहीं हो रहा। चुनाव के समय हर बार तालाब के सौंदर्यीकरण की बातें होती हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही मुद्दा ठंडे बस्ते में चला जाता है। इसी तरह नया तालाब भी अतिक्रमण और उपेक्षा का शिकार है। रिकॉर्ड में लगभग 10 एकड़ दर्ज यह तालाब अब बमुश्किल 5 एकड़ में सिमट गया है। नगर पालिका और ग्राम पंचायत आमदी (म) की सीमा में स्थित इस तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए शासन ने एक करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है, लेकिन अब तक अतिक्रमण हटाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

10 वर्षों से बंद है निस्तारी- नया तालाब पिछले लगभग 10 वर्षों से जलकुंभी और प्रदूषण के कारण निस्तारी के लिए अनुपयोगी बना हुआ है। कभी यह तालाब गरियाबंद नगर की करीब 40 प्रतिशत आबादी की जरूरत पूरी करता था लेकिन अब यहां पानी दूषित होने से लोगों को दूसरे विकल्प तलाशने पड़ रहे हैं। खासकर मृत्यु के बाद होने वाले नहावन कार्यक्रम के लिए लोगों को भारी कठिनाई झेलनी पड़ रही है।

रावणभाठा वार्ड के लोग सबसे ज्यादा परेशान- कलेक्ट्रेट से महज 500 मीटर दूर स्थित रावणभाठा वार्ड के लोग वर्षों से तालाब संकट से जूझ रहे हैं। तालाब से कुछ ही दूरी पर मुक्ति धाम है, जहां अंतिम संस्कार के बाद लोग स्नान के लिए पहुंचते हैं, लेकिन तालाब सूख जाने से उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे किए गए थे लेकिन जीत के बाद कोई सुनवाई नहीं हो रही। कई बार आवेदन देने के बावजूद केवल आश्वासन ही मिला।

10 वर्षीय बच्चे...

जंगल की ओर भाग गया।

घायल बच्चे को तत्काल गरियाबंद जिला अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में तेंदुए की तलाश कर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। लगातार बढ़ती तेंदुए की गतिविधियों से लोगों में भय व्याप्त है, खासकर शाम ढलते ही लोग घरों में रहने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग तत्काल इलाके में निगरानी बढ़ाकर तेंदुए को पकड़ने की कार्रवाई करे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

छुरा में ओबीसी...

संगठनात्मक बैठक 24 मई 2026 को छुरा में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता अधिवक्ता शत्रुघ्न सिंह (सदस्य, छत्तीसगढ़ बार काउंसिल) करेंगे। इस दौरान ओबीसी समाज के संगठन विस्तार, सामाजिक एकजुटता और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। जिला नेतृत्व फलेंद्र कुमार साहू ने जिले के सभी ओबीसी समाज के पदाधिकारियों, प्रबुद्धजनों एवं समाजबंधुओं से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में बैठक में शामिल होकर संगठन को मजबूत बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर उनके अधिकारों, समस्याओं और भविष्य की दिशा पर सामूहिक विचार-विमर्श करना है। बैठक को लेकर समाज के लोगों में उत्साह देखा जा रहा है।

थमा मौत के हाइवा...

शहरवासी राहत की सास लिए है। बता दें कि पिछले कुछ दिनो से शहर के मुख्य बाजार और अत्यधिक भीड़भाड़ वाले मार्गों से दिन-रात गुजर रहे रेत से भरे भारी हाईवा वाहनों ने आम नागरिकों की चिंता और नाराजगी को चरम पर पहुंचा दिया था। सोमवारी बाजार से लेकर गंजमार्ग, कृषि उपज मंडी मार्ग, स्टेट बैंक ,युनियन बैंक ,नगरपालिका तिराहा, शास हरियर हायर सेकेंड्री स्कूल, बस स्टैंड और अस्पतालों तथा मंदिरों के सामने से लगातार दौड़ रहे इन भारी वाहनों ने पूरे शहर की यातायात व्यवस्था को खतरे में डाल दिया है। गुरुवार को इस मुद्दे को लेकर शहर भर में आक्रोश का माहौल बना रहा। स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, पार्षदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और मीडिया से जुड़े तमाम लोगो ने सोशल मीडिया से लेकर आम चर्चा तक में प्रशासन पर सवाल खड़े किए थे। इन लोगों का कहना था कि आखिर इतनी व्यस्त आबादी वाले क्षेत्र से फिर से इन भारी वाहनों को गुजरने की अनुमति कौन दे रहा है? पुलिस प्रशासन अब तक मौन क्यों है? मालूम हो कि सोमवारी बाजार और गंजमार्ग शहर का सबसे व्यस्त व्यापारिक क्षेत्र माना जाता है। सुबह से देर शाम तक यहां खरीदारों की भारी भीड़ लगी रहती है।

जायज मांगें पूरी...

अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे और जीतेंगे। कार्यक्रम में पार्षद अर्जुन साहू, तरूण कंसारी, टिकेश्वर गिलहरे, फागु देवांगन, शेखर बाफना, महामंत्री रमेश तिवारी, निर्माण यादव, मंगराज सोनकर, सुरेन्द्र साहू, शाहिद रजा, अजय गाड़ा, शंकर साहू, रेखा तिवारी, आशीष दीवान, राकेश सोनकर, यादवेंद्र ठाकुर, बल्लू देवांगन ,मितेश शाह, राजा चावला ,बीरवल राजपूत, महेश साहू, प्रतीक साहू, विजय तारक, सुनील जैन, अनूप खरे, वीरेन्द्र राजपूत, दाऊ राम साहू ,भूनेश्वर साहू, असफाक लखानी, अशोक यादव, घनश्याम साहू, प्रदीप साहू मौजूद रहे।

लकवाग्रस्त अमृत लाल का परिवार कच्चे खपरैल के मकान में रहने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्रा

शासन-प्रशासन द्वारा अंतिम छोर के व्यक्ति तक बुनियादी सुविधाएं और पक्के मकान पहुंचाने के दावे तो किया जा रहा है लेकिन जनपद पंचायत बागबाहरा के अंतिम छोर ओडिशा सीमा से लगे ग्राम पंचायत परसुली के आश्रित ग्राम अमनपुरी में निवासरत एक अत्यंत गरीब और बेबस परिवार आज भी एक पक्के (प्रधानमंत्री आवास) के लिए तरस रहा है। जर्जर कच्चे खपरैल के मकान में रहने को मजबूर है। उनका पति अमृत लाल सोनवानी (47 वर्ष) पिछले कुछ सालों से लकवा (पैरालिसिस) से पीड़ित है। इस विकट परिस्थिति में परिवार के भरण-पोषण और दो छोटे बच्चों की देखरेख की पूरी जिम्मेदारी उनकी पत्नी इंद्रौतीन बाई सोनवानी के कंधों पर आ गई है। इंद्रौतीन बाई रोज़ाना मेहनत और रोजी-मजदूरी कर जैसे-तैसे अपने बीमार पति का इलाज करवा रही हैं और बच्चों का पेट पाल रही हैं। हैरानी की बात यह है कि जो परिवार आर्थिक और सामाजिक रूप से 'प्रधानमंत्री आवास योजना' का सबसे पहला हकदार है, उसे इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यह गरीब। परिवार आज भी जिस कच्चे मकान में रह रहा है, उसकी हालत जर्जर है, जिससे आगामी मानसून में किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

खबर संक्षेप

जंगलों में निकला कुंभी का फूल

मैनपुर। तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर सहित क्षेत्र के जंगलों में इन दिनों कुंभी पेड़ में खुबसूरत फूल और फल निकल आया है। इसका आयुर्वेद में बड़ा उपयोग बताया जाता है साथ ही इससे मवेशियों के इलाज में इसका उपयोग किया जाता है लेकिन इसका सीधा सेवन करने से शरीर में कई प्रभार के दुष्प्रभाव पड़ने की संभावना है।

टेवारी जंगल में युवक का शव मिला

फिंगेश्वर। फिंगेश्वर क्षेत्र में एक बार फिर जंगल से लाश मिलने से सनसनी फैल गया है। कुछ दिन पहले बासीन जंगल में पाण्डुका थाना क्षेत्र के नागझर निवासी युवक का शव मिला था, जिसके पास जहर का डिब्बा भी बरामद हुआ था। वहीं अब 22 मई की सुबह फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के खुड़सा गांव से लगे टेवारी जंगल में एक अज्ञात व्यक्ति का शव नग्न अवस्था में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। फिंगेश्वर थाना प्रभारी चिंतामणि देशमुख के अनुसार मृतक की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष है। प्रारंभिक जांच में मृतक मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत हो रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि शव करीब तीन दिन पुराना है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मृतक को तीन दिन पहले टेवारी मंदिर के पास बैठे हुए देखा गया था। आशंका जताई जा रही है कि उसकी मौत भूख-प्यास या अत्यधिक कमजोरी के कारण हुई हो सकती है, हालांकि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस ने शव की पहचान के लिए आसपास के गांवों में पूछताछ शुरू कर दी है।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पखवाड़ा स्टीकर अभियान का समापन

महासमुंद। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ राज्य शाखा रायपुर के निर्देशानुसार विश्व रेडक्रॉस दिवस वर्ष 2026 के अवसर पर आयोजित विश्व रेडक्रॉस दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत जिला शाखा महासमुंद द्वारा संचालित रेडक्रॉस स्टीकर अभियान का सफलतापूर्वक समापन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा को रेडक्रॉस स्टीकर लगाकर किया गया। इसके पश्चात कलेक्टर एवं पदेन अध्यक्ष भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी विनय कुमार लंगेह को रेडक्रॉस स्टीकर लगाकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त कर अभियान को आगे बढ़ाया गया।

मौसम : बिजली की आंख मिचौली से पंखा-कूलर बंद होने से भीषण गर्मी में लोग कहरा उठे

10 साल का रिकॉर्ड टूटा, तापमान 42 डिग्री के पार, रात में भी गर्म हवाएं, दोपहर में सड़कें सूनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के वनांचल मैनपुर क्षेत्र मे लगातार जंगल की अवैध कटाई और वन क्षेत्र सिमटने के कारण भीषण गर्मी से लोग बेहाल होने लगे हैं। पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड टूटा है। आज मैनपुर नगर सहित क्षेत्र में तापमान का पारा 43 डिग्री पहुंच गया तो लोग गर्मी से कहरा उठे। सुबह से सूरज के तेज तेवर और रात मे भी चल रही गर्म हवा की लू लोगों को बेचैन कर दिया है। ऊपर से बार-बार बिजली की कटौती लो वोल्टेज से पंख कूलर नहीं चल पा रहे है। तहसील मुख्यालय सहित पूरा आंचल इन दिनों भीषण हिट वेव की चपेट में है अस्पतालों में लू के मरीज पहुँच रहे हैं। सूर्यदेव के तीखे तेवरों ने आम जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। अब केवल दिन में ही नहीं बल्कि, रात में भी गर्म हवा के थपेड़ो से लोग जूझ रहे। लू और चिलचिलाती धूप ने पिछले कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दोपहर होते-होते स्थिति इतनी विकराल हो गई कि मुख्य बाजारों में अघोषित कर्फ्यू जैसा सन्नाटा पसर गया।

अस्पतालों की ओपीडी में 30 से 40% मरीजों का इजाफा

स्वास्थ्य विभाग ने इस जानलेवा गर्मी को देखते हुए रेड अलर्ट जैसी स्थिति बताई है और लोगों को आने वाले कुछ दिनों तक बेहद सतर्क रहने की चेतावनी दी है। सरकारी और निजी अस्पतालों की ओपीडी में अचानक उल्टी, दस्त, तेज बुखार, चक्कर आना और डिहाइड्रेशन (शरीर में पानी की कमी) के मरीजों की तादाद में 30 से 40 फीसदी का इजाफा हुआ है। फिलहाल अगले 4-5 दिनों तक पश्चिमी विक्षोभ की कोई संभावना नहीं है, जिससे यह तपन आगे भी जारी रहेगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने नागरिकों के लिए सख्त हिदायत जारी की है दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच बहुत जरूरी न हो, तो घर या ऑफिस से बाहर बिल्कुल न निकलें। नगर के प्रमुख बाजारों और चौक-चौराहों पर भी दोपहर के समय सन्नाटा देखने को मिल रहा है, जिससे व्यापार पर भी असर पड़ा है। जिले के मैनपुर क्षेत्र को साल के जंगल के नाम जाना जाता है और साल जंगल वाला इलाका काफी ठंडकता रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में लगातार जंगल की अवैध कटाई तथा सिमटते जंगल ने पर्यावरण को बुरी तरह प्रभावित किया है जिसका असर इस भीषण गर्मी मे देखने को मिल रहा है।

लोहरसी में नवीन बोर खनन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुरसाबांधा

ग्राम पंचायत लोहरसी में पेयजल समस्या के समाधान के लिए राजिम विधायक रोहित साहू की अनुशंसा पर नवीन बोर खनन कार्य प्रारंभ किया गया। बोर खनन कार्य शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है तथा लोगों ने इसे गर्मी के मौसम में राहत देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया है। इस अवसर पर सरपंच लोमश राम साहू, उपसरपंच नीलेश टंडन, जनपद सदस्य प्रतिनिधि सोहनलाल साहू सहित पंचों में देवकी साहू, उषा बाई सतनामी, नम्मू साहू, भगवान दास जांगड़े, तुलेश्वर सतनामी, खेमिन पटेल, डिलेश्वरी साहू, कमला यादव, उषा यादव, प्रेमानंद साहू, जागेश्वर साहू, प्रभा निर्मलकर, कांता ध्रुव, हेमलता निषाद, मुगेश्वरी ठाकुर, विक्रम साहू, सावित्री सतनामी एवं त्रिवेणी सतनामी उपस्थित रहे। वहीं सचिव ओमप्रकाश सिन्हा, रोजगार सहायक देवेंद्र साहू, नल ऑपरेटर मिलाप राम साहू, भृत्य चुम्मन यादव, रामशाय, गजानंद साहू, कमलेश यादव, रोहित यादव, खिलेश्वर साहू, नेमु राम साहू, शीतला यादव, टीकूराम ध्रुव एवं मोहन यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सरपंच लोमश राम साहू ने विधायक रोहित साहू के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से गांव में पेयजल की समस्या बनी हुई थी, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विधायक की पहल एवं अनुशंसा से बोर खनन कार्य प्रारंभ होने पर ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी।

ग्रामीणों की चेतावनी के बाद बकली पहुंचे एसडीएम, निराकरण का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

दो दिन पहले जनपद सदस्य प्रतिनिधि मुकेश भारती, सरपंच प्रतिनिधि हीराधर साहू, हसमन भारती, सोनू मीरी, गुलशन जांगड़े, पूनम बंजारे, सूरज सतनामी, सूरज साहू, पंचगण एवं ग्रामीणो द्वारा 23 मई को धरना प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। 22 मई को बकली पहुंचकर राजिम एसडीएम विशाल महाराणा, राजिम तहसीलदार एवं थाना प्रभारी अमृत लाल साहू बैठक किए। बैठक में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों से सीधी चर्चा कर समस्याएं सुनी गईं तथा तत्काल निराकरण का आश्वासन दिया गया। प्रशासन द्वारा पितईबंद रेत घाट में तत्काल कार्यवाही करते हुए स्पष्ट कहा गया कि बकली, पितईबंद एवं रावड़ क्षेत्र में कहीं भी अवैध रेत खनन नहीं होने दिया जाएगा। वहीं होटलपारा बकली में पेयजल संकट को गंभीरता से लेते हुए विभाग को तत्काल बोर खनन के निर्देश दिए गए तथा पंचायत को भी गांव की पानी समस्या शीघ्र दूर करने कहा गया। इसके अलावा पितईबंद मुख्य मार्ग स्थित दारू भट्टी मोड़ के चखना सेंटर पर भी प्रशासन ने कार्यवाही करते हुए संचालकों को यातायात बाधित नहीं करने की कड़ी चेतावनी दी। महावीर राइस मिल से फैल रहे डस्ट प्रदूषण के स्थायी समाधान का भी प्रशासन ने भरोसा दिलाया। बैठक के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे। बैठक में मौजूद ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने स्पष्ट कहा कि यदि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो क्षेत्रवासियों का आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

ब्लूप्रिंट प्रश्नपत्र निर्माण कार्यशाला का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

समग्र शिक्षा के तहत पांच दिवसीय ब्लूप्रिंट प्रश्नपत्र निर्माण प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन विकासखंड स्त्रोत समन्वयक केंद्र फिंगेश्वर में 18 मई से 22 मई तक जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर के निर्देशन एवं डी एम सी शिवेश शुक्ला के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर दिनेश कुमार श्रीवास, स्टीफन कुजूर,साधना वर्मा, रूपकला डहरिया,चंद्ररका प्रसाद साहू, कौशलेश साहू,बालकरण गायकवाड़ एवं हेमलता कुरील द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय ज्ञान परंपरा, विद्यालय की संस्कृति, नशापान, अधिगम, सीखने के लिए उपयुक्त वातावरण, शिक्षण विधियों के साथ साथ ब्लू प्रिंट के तहत विभिन्न कौशल के आधार पर प्रश्नपत्र निर्माण के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनरों ने बताया कि इस प्रशिक्षण सह कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रश्न पत्र निर्माण की गुणवत्ता एवं एकरूपता सुनिश्चित करना था ताकि मूल्यांकन अधिक सटीक, पारदर्शी और उद्देश्यपरक हो सके।

नए दृष्टिकोण और वैज्ञानिक पद्धति समझ का विकास- इस दौरान प्रशिक्षार्थियों ने बताया कि इस कार्यशाला से उन्हें प्रश्न पत्र निर्माण के लिए नए दृष्टिकोण और वैज्ञानिक पद्धति समझ विकसित हुई है। प्रशिक्षार्थियों ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला आयोजित की गई जिससे उन्हें अत्यंत उपयोगी एवं अनुभव प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी हेमंत कुमार साहू एवं विकासखंड स्त्रेत समन्वयक सुभाष शर्मा ने कहा कि इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव का लाभ विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी तक अवश्य पहुंचेगा एवं शिक्षा की गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देगा।

इस प्रशिक्षण में प्रमुख रूप से व्याख्याता पूरन लाल साहू, कुमान सिंह ध्रुव, नरेंद्र यदु, ओमप्रकाश सिन्हा, सुमंत ध्रुव, दिनेश कुमार साहू, मनहरण लाल यदु, राकेश द्विवेदी, दुर्गेश साहू, सुधीर साहू, नरेंद्र वर्मा, रवि अग्रवार, जे पी गायकवाड़, पूनमचंद ध्रुव उपस्थित थे।

स्वच्छता के नए नियम, नियमों के उल्लंघन पर लगेगा जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार निकाय द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जन-जागरूकता अभियान के लिए बैठक के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी चंदन मानकर द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के नवीन प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रस्तुतीकरण में नगर क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने स्त्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण तथा अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत निम्न महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी गई। प्रत्येक नागरिक एवं प्रतिष्ठान द्वारा गीला एवं सूखा कचरा, सैनिटरी वेस्ट एवं हार्मफुल वेस्ट को 4 श्रेणियों में पृथक-पृथक संग्रहित करना अनिवार्य। घरेलू, व्यावसायिक एवं संस्थागत अपशिष्ट का स्त्रोत स्तर पर पृथक्करण। सिंगल यूज प्लास्टिक एवं खुले में कचरा फेंकने पर प्रतिबंध। सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने एवं नियमों के उल्लंघन पर जुमार्ने का प्रावधान। होटल रेस्टोरेंट बाजार एवं बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए विशेष स्वच्छता दायित्व निर्धारित। जैविक अपशिष्ट के कम्पोस्टिंग एवं रिसाइक्लिंग को बढ़ावा। निकाय सीमा क्षेत्र अंतर्गत रैनवाटर हॉर्वेस्टिंग को बढ़ावा। डत्थ सेंटर के माध्यम से पुनर्चक्रण योग्य कचरे के वैज्ञानिक निष्पादन की व्यवस्था। नगर क्षेत्र में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के हेतु बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी चंदन मानकर, उप-अभियंता नितेश भंवर, पालिका उपाध्यक्ष पूर्णिमा चन्द्राकर, पार्षद तुषार कदम, जानकी पटेल, नरोत्तम राजपूत, भारत यादव, अंजनी उत्तम निषाद, बलराम यादव, आकाश सिंह राजपूत, सुरेश पटेल, टंकेश्वर सोनकर, अजय पटेल, सुमित्रा निराला, मंशा कुर्रे, कुलेश्वर साहू ,रेखा-कुलेश्वर साहू सहित नगर पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

तालाब सूखे, निस्तारी का संकट गहराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुरसाबांधा

भीषण गर्मी और लगातार घटते जलस्तर के बीच ग्राम सुरसाबांधा का यह तालाब पूरी तरह सूख चुका हैं। निस्तारी की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों को दैनिक उपयोग और मवेशियों के लिए पानी जुटाने दूर-दूर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के इस तालाब में पहले वर्षभर पानी भरा रहता था और यही ग्रामीणों की प्रमुख निस्तारी व्यवस्था थी। इस बार गर्मी शुरू होते ही तालाबों का पानी तेजी से घटा और अब हालत यह है कि तलहटी तक सूख चुकी है। कई स्थानों पर दरारें पड़ गई हैं और सूखी मिट्टी दिखाई दे रही है। पानी की कमी का सबसे ज्यादा असर ग्रामीण महिलाओं और पशुपालकों पर पड़ रहा है। महिलाओं को पानी भरने लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, वहीं मवेशियों के लिए भी पानी का संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द बारिश नहीं हुई या वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और विकट हो सकती है।

सरपंच की बेटी ने संघर्ष की बदौलत पाई सफलता

जाड़ापदर की लीना सब इंस्पेक्टर बनकर पहुंची गांव, ग्रामीणों ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

तहसील मुख्यालय मैनपुर से 03 किमी दूर छोटे से गांव जाड़ापदर के लिए गौरव का क्षण उस समय आया, जब गांव की बेटी लीना नागेश का चयन उप निरीक्षक एसआई पद पर हुआ और आज शुक्रवार को वर्दी पहनकर जैसे ही वह गांव पहुंची, पूरे गांव में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने फूलमाला गाजे बाजे के साथ जोरदार स्वागत किया। साथ ही ग्रामीणों, युवाओं और जनप्रतिनिधियों ने इसे गांव की बड़ी उपलब्धि बताया। लीना नागेश ऐसे परिवार से आती हैं, जहां सामाजिक सेवा और नेतृत्व की मजबूत परंपरा रही है। उनके माता वर्तमान में जाड़ापदर ग्राम पंचायत की सरपंच हैं। परिवार के सहयोग, मेहनत और संघर्ष के बल पर लीना ने यह सफलता हासिल कर गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

इलाके की बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनीं लीना- लीना की माता ने ने कहा आज मेरी बेटी ने एसआई पद की परीक्षा पास कर घर पहुंची है, जिससे पूरे घर में खुशी का माहौल है और परिवार को उस पर गर्व है। जाड़ापदर गांव के सभी युवा, बुजुर्ग और सियान हमारे घर पहुंचकर मेरी बेटी लीना नागेश को शुभकामनाएं दे रहे हैं। गांव के वरिष्ठ नागरिक यशवंत बघेल, कोसिंग नेताम ने कहा कि यह केवल जाड़ापदर गांव ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि लीना की सफलता से क्षेत्र की अन्य लड़कियों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे भी बड़े पदों तक पहुंचने का सपना देखेंगी। वहीं क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य लोकेश्वरी नेताम, मैनपुर सरपंच हनिता नायक, आदिवासी नेता महेन्द्र नेताम व क्षेत्र के वरिष्ठजन भी लीना नागेश के निवास पहुंचीं और लीना सहित पूरे परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सर्वाइकल कैंसर के बचाव को लेकर बालिकाएं लगवा रही एचपी वैक्सीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

सामुदायिक अस्पताल फिंगेश्वर में प्रतिदिन एच पी वेक्सीन लगाया जाता है जिसके तहत 22 अप्रैल को भाजपा नेता राजू साहू ने भी अपनी पुत्री को टीका लगवाकर स्वास्थ विभाग के मुहिम में अपना योगदान दिया।टीका को लेकर पर्वेक्षक आशा पोद्दार ने बताया कि सर्वाइकल केंसर से बचाव के लिए भारत सरकार के द्वारा हमारे छत्तीसगढ़ मे 14 से 15 वर्ष के बच्चे वेक्सीन लगाया जा रहा है।इन उम्र के बच्चों को अव"य ही अस्पताल लाकर टीका लगवाये।वही पर राजू साहू ने भी 14 से 15 वर्श के बीच बालिकाओं को सामुदायिक अस्पताल लाकर टीका लगाने की अपील की है। इस अवसर पर एएनएम सुधा पटेल, मितानीन बहने सहित बालिकाएं एवं उनके अभिवाहक उपस्थित थे।

जमीन बेचना है
पांडुका में सड़क किनारे करीब सवा दो एकड़ जमीन बेचना है
फार्म हाउस बनाया जा सकता है।
सड़क से एक कदम चलना नही पड़ेगा
मो.: 9752106022

खबर संक्षेप

धरना प्रदर्शन कांग्रेस की हताशा बौखलाहट है : ओमकुमारी साहू

नवापारा-राजिम। नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू ने कहा कि कांग्रेस का धरना प्रदर्शन केवल दिखावा, विफलता और बौखलाहट का नतीजा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा नवापारा नगर में किए जा रहे जनहितैषी एवं गुणवत्तापूर्ण विकास

कार्यों से कांग्रेस पार्टी के लोग अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए भाजपा सरकार पर झूठे आरोप लगाकर आम जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। श्रीमती साहू ने कहा कि नगर पालिका द्वारा नगर में नियमित रूप से सफाई करवाई जा रही है। विगत 15 माह में कई कचरा युक्त स्थानों को स्वच्छ कर जनउपयोगी बनाया गया है। वर्षों पुराने जाम नालों की सफाई के काम में पालिका के कर्मचारी लगे हुए है। कई ट्रैक्टर कचरा निकाल कर नालियों को साफ किया जा रहा है। जिससे पानी का प्रवाह होता रहे। यदि नगर में कही कचरा साफ नहीं हो रहा हो तो पालिका को अवगत कराए जिससे सफाई करवाई जा सके। पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी ने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से ही गरीबों के हितों की रक्षा के लिए मोदी की गारंटी लागू की गई है। परिणामस्वरूप नवापारा नगर में कुल 435 आवास की स्वीकृति हो चुकी है।

पैरी और महानदी में बेतहाशा रेत उत्खनन

राजिम। राजिम क्षेत्र के पैरी और महानदी इन दिनों अवैध रेत उत्खनन का बड़ा केंद्र बन चुकी हैं। नदी के सीने को चीरते हुए दिन-रात भारी मशीनों से रेत निकाली जा रही है। हालात यह हैं कि रात भर और पूरा दिन रेत से भरे हाईवा वाहन राजिम की सड़कों पर दौड़ते नजर आते हैं। इससे आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। हालांकि माइनिंग विभाग समय-समय पर कार्रवाई जरूर करता है, लेकिन यह कार्रवाई केवल दिखावे तक सीमित रहती है। विभाग द्वारा एक-दो मशीनों और वाहनों पर कार्रवाई करने के बाद दूसरे ही दिन नए चैन माउंटेन मशीन और हाईवा नदी में उतार दिए जाते हैं और उत्खनन का काम फिर से शुरू हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि विभाग वास्तव में सख्ती करे तो अवैध उत्खनन पर पूरी तरह रोक लग सकती है। जगह-जगह भारी मात्रा में रेत का डंप किया गया है, जो सड़क किनारे पहाड़ जैसा दिखाई देता है। इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ बरसात के दिनों में नदी के बहाव पर भी असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

लापरवाही : कई किमी दूर से खेतों में उठती आग की लपटें दिखाई दे रही

अंचल में धधक रही पराली, प्रतिबंध के बाद भी खेतों में लगाई जा रही आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

क्षेत्र में रबी फसल धान की कटाई और मिजाई अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। फसल कटने के बाद किसान बड़ी मात्रा में खेतों में बची धान की पराली को आग के हवाले कर रहे हैं। स्थिति यह है कि शाम ढलते ही कई किलोमीटर दूर से खेतों में उठती आग की लपटें साफ दिखाई दे रही हैं। शुक्रवार को राजिम से गरियाबंद मार्ग पर सुरसाबांधा से लेकर आगे के गांव के खार तक अनेक स्थानों पर खेतों में पराली जलाने के दृश्य देखने को मिले, जिनकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। शासन द्वारा पराली जलाने पर स्पष्ट प्रतिबंध लगाया गया है, इसके बावजूद खुलेआम यह सिलसिला जारी है। खेतों में आग लगने से आसपास का वातावरण धुएं से भर रहा है और सड़क से गुजरने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर धुएं की वजह से दृश्यता कम होने से दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। खेतों में मौजूद सूक्ष्म जीव और पोषक तत्व आग की गर्मी से नष्ट हो जाते हैं, जिससे आने वाली फसलों की गुणवत्ता पर असर पड़ता है। इसके अलावा वातावरण में कार्बन और जहरीली गैसों का उत्सर्जन बढ़ने से प्रदूषण तेजी से फैलता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों लगातार पराली जलाए जाने से लोगों को सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और धुएं से होने वाली अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले समय में इसका गंभीर प्रभाव देखने को मिल सकता है। प्रशासनिक स्तर पर पराली जलाने वालों पर कार्रवाई के निर्देश पहले से मौजूद हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर दिखाई नहीं दे रहा है।

संसाधन उपलब्ध कराने की जरूरत

ग्रामीणों का कहना है कि कृषि विभाग और प्रशासन को गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करने की आवश्यकता है, ताकि वे पराली को जलाने के बजाय उसके वैकल्पिक उपयोग अपनाएं। कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक पराली का उपयोग जैविक खाद, पशु चारे और खेत की उर्वरा बढ़ाने में किया जा सकता है। इसके लिए किसानों को तकनीकी सहायता और संसाधन उपलब्ध कराने की जरूरत है। फिलहाल राजिम अंचल में खेतों में धधकती पराली प्रशासनिक प्रतिबंधों को चुनौती देती नजर आ रही है और पर्यावरण संरक्षण के दावों पर भी सवाल खड़े कर रही है।

चौबेबांधा में सूखी नदी ने बढ़ाई चिंता, पुल के नीचे दिख रहा समतल मैदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

ग्राम चौबेबांधा में बहने वाली पैरी नदी इस बार पूरी तरह से सूखी नजर आ रही है। ग्रामवासियो का कहना है कि पहले इस नदी में बारहों महीने पानी बना रहता था, लेकिन इस वर्ष गर्मी बढ़ते ही नदी का जलस्तर इतना नीचे चला गया कि पुल के नीचे अब पानी की जगह समतल मैदान दिखाई देने लगा है। नदी पटपर भाठा और सूखी नजर आने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों के अनुसार बीते वर्षों में भी गर्मी पड़ती थी, लेकिन नदी पूरी तरह कभी नहीं सूखी। नदी के सूखने से आसपास के किसानों, मवेशियों और दैनिक उपयोग के लिए पानी पर निर्भर परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय बुजुर्गों का कहना है कि कभी यह नदी गांव की जीवनरेखा मानी जाती थी। गर्मी के दिनों में भी यहां पानी उपलब्ध रहता था, जिससे निस्तारी और पशुओं की जरूरतें पूरी हो जाती थीं। अब हालत यह है कि पुल के नीचे दूर-दूर तक सूखी रेत और समतल जमीन नजर आ रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं ताकि आने वाले समय में यह स्थिति और गंभीर न हो।

तेज धूप ने लोगों को घरों में किया कैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा

क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी और तेज धूप ने लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह से ही सूरज आग उगल रहा है, जिससे दोपहर होते-होते सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है। तेज गर्म हवाओं और लू के थपेड़ों ने लोगों को घरों में कैद होने पर मजबूर कर दिया है। जरूरी काम से बाहर निकलने वाले लोग भी सिर और चेहरे को कपड़ों से ढंककर निकल रहे हैं। दोपहर के समय बाजारों और

चौक-चौराहों में आम दिनों की अपेक्षा काफी कम भीड़ दिखाई दे रही है। गर्मी के कारण सबसे ज्यादा परेशानी मजदूर वर्ग, किसान और राहगीरों को उठानी पड़ रही है। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। अस्पतालों में उल्टी, चक्कर और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। लोग गर्मी से राहत पाने ठंडे पेय पदार्थ, गन्ना रस, लस्सी और फलों का सहारा ले रहे हैं। चिकित्सकों ने लोगों को दोपहर में अनावश्यक बाहर नहीं निकलने, अधिक पानी पीने और लू से बचाव करने की सलाह दी है। मौसम के लगातार बदलते तेवरों से आमजन बेहाल हैं और बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। भीषण गर्मी का असर सिर्फ इंसानों पर ही नहीं बल्कि बेजुबान पशु-पक्षियों पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

सोखता गड्ढा बनाने की योजना पर अब तक अमल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

हर पंचायत में संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के लिए जिला पंचायत सीईओ प्रखर चन्द्राकार ने हर पंचायतों के हर घर पर मोर गांव मोर पानी महा अभियान का जल संचय जन अभियान अंतर्गत श्रमदान करते हुए सोखता गड्ढा के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने की अपील की गई है। ज्ञात हो कि अभी तक क्षेत्र के कोई भी पंचायतों में एक भी सोखता गड्ढा का निर्माण कार्य नहीं हुआ है। वर्तमान स्थिति में भू जल स्तर दिनों दिन नीचे जा रहा है। पानी खरीद के पीने की स्थिति निर्मित हो चुकी है तथा आज यदि हम पानी का संरक्षण नहीं करेंगे तो आने वालीं पीढ़ियों के लिए यह विकराल समस्या होगी जिसका कोई त्वरित निदान नहीं होगा। सभी के घरों में सोखता गड्ढा बनाने से बड़ी मात्रा में वर्षा जल और घरों से बहाने वाला पानी रूकेगा जो सीधे भू-जल स्तर को बढ़ाने में मदद करेगा। लेकिन अभी तक एक भी सोखता गड्ढा नहीं बनना चिंता का विषय बनता जा रहा है। इस गड्ढे से बारिश का पानी सोखकर जमीन के अंदर जाएगा जिससे जलस्तर का संतुलन बना रहेगा। सभी पंचायतों के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को अपील करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि जल संरक्षण के इस अभियान में शामिल होने का आह्वान किया और कहा कल अपने बच्चों के भविष्य के लिए पानी को बचाने की इस मुहिम में स्वयं जुड़े और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें ताकि यह जन आंदोलन का रूप ले सकें।

प्रत्येक गुरुवार को उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़

मां शीतला मंदिर में नियमित हो रही पूजा एवं जस सेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुरसाबांधा

ग्राम लोहरसी में स्थित मां शीतला मंदिर आज ग्रामीणों की आस्था और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। शारदीय नवरात्रि पंचमी तिथि 19 अक्टूबर 2023 को मंदिर का उद्घाटन, मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ था। तभी से मंदिर में प्रत्येक गुरुवार को नियमित रूप से पूजा-अर्चना, आरती, जस सेवा एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। ग्रामीणों का मानना है कि मां शीतला की कृपा से गांव में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। मां शीतला को रोगों से रक्षा करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है और श्रद्धालु पूरी आस्था के साथ माता के दरबार में अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में होने वाले जस गीत और भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। देर रात तक श्रद्धालु माता की महिमा का गुणगान करते हुए भक्ति में लीन रहते हैं। धार्मिक आयोजनों में ग्राम की विभिन्न जस मंडलियां उत्साहपूर्वक सहभागिता निभा रही हैं।

जस सेवा से धार्मिक संस्कारों को मिला बढ़ावा- ग्रामीण महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी से मंदिर परिसर हर गुरुवार को भक्ति और श्रद्धा का केंद्र बन जाता है। गांव के लोगों का कहना है कि मंदिर में नियमित पूजा और जस सेवा से सामाजिक एकता और धार्मिक संस्कारों को भी बढ़ावा मिल रहा है। मां शीतला मंदिर की सेवा एवं धार्मिक कार्यक्रमों में अमरीका निषाद, डगेश्वर निषाद, बुधारु सेन, विजय यादव, द्विजलाल यादव, संतोष पटेल, बहुर साहू, देवनारायण सैन, रिपुसूदन निर्मलकर, देवेंद्र साहू, गिरवर यादव एवं मनोज देवदास सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इन सभी के सहयोग और समर्पण से मंदिर में धार्मिक आयोजन निरंतर सफलतापूर्वक सम्पन्न हो रहे हैं।

वृंदावन में होगा श्रीमद्भागवत कथा 23 को, समता एक्सप्रेस से जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

सनातन धर्म में पुरुषोत्तम मास को अत्यंत पुण्यदायी और आध्यात्मिक उन्नति का माह माना जाता है। इस वर्ष 17 मई से पुरुषोत्तम मास का शुभारंभ हो रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पावन माह में किए गए जप, तप, दान, पूजा-अर्चना, यज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा श्रवण का फल सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक प्राप्त होता है। इसी पावन अवसर पर वृंदावन धाम में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। क्षेत्र के प्रसिद्ध भागवत आचार्य पंडित त्रिभुवन महाराज जी के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 25 मई से 1 जून तक उत्तरप्रदेश के

वृंदावन स्थित ललिता आश्रम परिक्रमा मार्ग में किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस बार आयोजित होने वाली वृंदावन कथा में कांकेर, कोरर, चारामा, कुकरेल, धमतरी, अभनपुर, रायपुर, छुरा, मंदिर हसौद, तिल्दा, गरियाबंद, महासमुंद, लोरमी, रतनपुर, सिरपुर, बलौदाबाजार, बालोद, फिंगेश्वर सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 150 से 180 श्रद्धालु महाराज जी के साथ वृंदावन धाम के लिए रवाना होंगे। श्रद्धालुओं का कहना है कि वृंदावन में आयोजित होने वाली यह कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि आत्मिक शांति, भक्ति और संस्कारों से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।